राग सोरठि

सोरठि राग की बाणी साधारण गुरसिक्खों के मुँह पर सरलता से चढ़ी हुई है। बड़ा सरल व मीठा राग है पर सुहावना तभी लगेगा यदि हरी के नाम को खोजेगा।

lkjfB rkfe lgko.kh tk gfj uke <<kyAA vk lkjfB Ink lgko.kh t lpk efu gkbAA

हरि नाम के रस को पी के निर्जीवता नहीं आयेगी व इस लोक में और परलोक में गुरसिक्ख की निरमल शोभा होगी।

lkjfB lj l ihth, dcg u Qhdk gk,AA ukud jke uke xu xkbvfg njxg fujey lk,AA

आरोह	–	स रे, म प, नी सं।
अवरोह	–	सं रें नी ध, म प ध म गरे, ऩी स।
स्वर	–	दोनों निषाद, अन्य शुद्ध, आरोह में गंधार व धैवत वर्जित। अवरोह में 'ग' का प्रयोग केवल मींड द्वारा।
थाट	–	खमाज
जाति	–	औड़व–सम्पूर्ण
समय	–	रात का द्वितीय प्रहर
वादी	–	ऋषभ
संवादी	–	धैवत
मुख्य अंग	–	स रे, म प, नी ध, प, ध म गरे, ऩी स।
स्वर विस्थार	–	1. स, ऩी स, स ऩी ध़, प़, म़ प़ ऩी स, ऩी स रे, म गरे, रे म प, प ध, म गरे, ऩी स रे म गरे, ऩी स। 2. रे म प, म प नी ध प, म प नी सं, नी सं रें, मं गरें, रें, मं पं मं गरें, नी सं रें नी ध, प, प ध म गरे, ऩी ऩी स।

सोरठि महला ५॥ (६०९-१०)

गुरु पूरा भेटिओ वडभागी मनहि भइआ परगासा॥ कोइ न पहुचनहारा दूजा अपुने साहिब का भरवासा॥१॥ अपुने सतिगुर कै बलिहारै॥ आगै सुखु पाछै सुख सहजा घरि आंनदु हमारै॥रहाउ॥ अंतरजामी करणैहारा सोई खसमु हमारा॥ निरभउ भए गुर चरणी लागे इिक राम नाम आधारा ॥२॥ सफल दरसनु अकाल मूरति प्रभु है भी होवनहारा॥ कंठि लगाइ अपुने जन राखे अपुनी प्रीति पिआरा॥३॥ वडी वडिआई अचरज सोभा कारजु आइआ रासे॥ नानक कउ गुरु पूरा भेटिओ सगले दूख बिनासे॥४॥५॥

सोरठि महला ५॥ (६१६-२०)

हमरी गणत न गणीआ काई अपणा बिरदु पछाणि॥ हाथ देइ राखे करि अपुने सदा सदा रंगु माणि॥१॥ साचा साहिबु सद मिहरवाण ॥ बंधु पाइआ मेरै सतिगुरि पूरै होई सरब कलिआण॥रहाउ॥ जीउ पाइ पिंडु जिनि साजिआ दिता पैनणु खाणु॥ अपणे दास की आपि पैज राखी नानक सद कुरबाणु॥२॥१६॥४४॥

राग सोरठि

(1) तीन ताल

LFkkbZ%

					मप	सं	–	प	पध	म	म	म	गरे	स	रे
					अपु	ने	0	0	सति	गु	र	कै	00	ब	लि
ऩी	–	स	–	–	–	–	–	–	ऩी	ऩी	–	–	स	स	स
हा	0	रै	0	0	0	0	0	0	आ	गै	–	–	सु	खु	0
स	$^{\text{म}}$रे	–	पप	(प)	–	म	रे	–	मम	प	–	नी	नी	–	–
पा	छै	0	सुख	सह	0	जा	0	0	घरि	आ	0	नं	दु	0	0
–	नी	सं	(सं)	नी	(नी)	ध	प	–							
0	ह	मा	0	रै	0	0	0	0							
x				2				0				3			

vUrjk%

									–	मम	म	प	–	नी	नी
									0	गुरु	पू	रा	0	भे	टि
सं	सं	सं	सं	रें	नी	सं	–	–	रेंरेंरें	रें	मरें–	मं	–	रें	नीनी
ओ	0	व	ड	भा	0	गी	0	0	मनहि	0	भइया	0	0	0	पर
नी	–	–	–	सं	–	–	–	–	सं	सं	सरें	नीनी	ध	प	–
गा	0	0	0	सा	0	0	0	0	को	0	इन	पहु	च	न	0
–	धप	पम	पध	म	रे	–	–	रेरे	रे	प	पप	म	रे	–	सरे
0	हा0	00	रा0	दू	जा	0	0	अपु	ने	सा	हिब	का	0	0	भर
ऩी	–	–	स	स	–	–	–	–							
वा	0	0	0	सा	0	0	0	0							
x				2				0				3			

dhrZudkj HkkbZ lqjthr flag jxhyk

राग सोरठि

(2) झप ताल

LFkkbZ

म	प	नी	–	संरें	नी	धप	पध	म	म
सा	0	चा	0	00	सा	00	हि0	0	बु
म	रे	नी़नी़	–	–स	रे	म	रे	–	–
स	द	मिह	0	0र	वा	0	ण	0	0
रे	–	म	–	म	पप	–	प	–	प
बं	0	धु	0	पा	इआ	0	मे	0	रै
प	प	मध	प	ध	म	–	म	रे	–
स	ति	गु0	0	रि	पू	0	रै	0	0
म	प	नी	–	संरें	नी–	धप	ध	म	म
हो	0	ई	0	स0	र0	ब0	क	0	लि
म	रे	नी़	–	स	रे	(म)	रे	–	–
आ	0	0	0	0	ण	0	0	0	0
X		2			0		3		

vUrjk

म	म	पम	प	–	नी	नी	नी	–	नी
ह	म	री0	0	0	ग	ण	त	0	न
सं	सं	सं	सं	सं	नी	–	सं	सं	सं
ग	णी	आ	0	0	का	0	ई	0	0
नी	नी	नी	–	नी	सं	नी	सं	प	–प
अ	प	णा	0	0	बि	र	दु	0	0प
पनी	संरें	नी	–	–	नी	(नी)	ध	प	–
छा0	00	0	0	0	णि	0	0	0	0
X		2			0		3		

झपताल के बाद इस शब्द को तीन ताल में गायन किया हुआ है।

तीन ताल

LFkkbZ

								म	प	नी	सं	नी	ध	प	म
								सा	0	चा	0	सा	0	हि	बु
म	रे	ऩीऩी	स	रे	म	रे	—	—	रेरे	म	प	पप	—	प	प
स	द	मिह	र	वा	0	ण	0	0	बं0	धु	पा	इआ	0	मे	रै
—	पम	प	ध	म	—	म	रे	—	प	नी	संरें	नी	ध	प	म
0	सति	गु	रि	पू	0	रै	0	0	हो	ई	स0	र	ब	क	लि
रे	—	ऩी	स	रे	म	म	रे								
आ	0	0	0	0	0	ण	0								
X				2				0				3			

vUrjk

								—	—	म	प	प	—	नी	—
								0	0	जी	उ	पा	0	इ	0
सं	सं	सं	सं	नी	नी	सं	—	—	नी	नी	—	नी	सं	सं	—
पिं	डु	जि	नि	सा	जि	आ	0	0	दि	ता	0	पै	न	णु	0
पनी	संरें	—	नी	—	ध	प	—								
खा0	00	0	0	0	णु	0	0								
X				2				0				3			

dhrZudkj HkkbZ vejthr flag rku